5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

सुदूर संवेदन डेटा अधिग्रहण पर

एनआरएससी, शादनगर परिसर में

(6-10 मई, 2024)

राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी), इसरो, राष्ट्रीय लक्ष्यों और उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सुदूर संवेदन डेटा अधिग्रहण, डेटा संसाधन और भू-स्थानिक अनुप्रयोग सेवाएं प्रदान करने वाला एक उत्कृष्ट केंद्र है। इसे भू-प्रेक्षण उपग्रह से डेटा प्राप्त करने, डेटा संसाधन, डेटा उत्पादों के जनन, प्रयोक्ताओं को वितरण के लिए भू-केंद्रों की स्थापना और विभिन्न सरकारी मंत्रालयों/विभागों में सुशासन के लिए आपदा प्रबंधन सहायता सहित भू-स्थानिक सेवाओं के लिए सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों (रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन) हेतु तकनीकों का विकास तथा पेशेवरों, संकाय सदस्यों एवं छात्रों के लिए क्षमता निर्माण का अधिदेश है। एनआरएससी भू-स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकियों के प्रयोग में अग्रणी है और संबंधित हितधारकों के साथ मिलकर भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवोन्मेष पारिस्थितिक तंत्र स्थापित करने हेतु प्रयासरत है।

एनआरएससी/इसरो को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्थलों की स्थापना (अंटार्टिका भू-केंद्र सहित), उपग्रह डेटा अभिग्रहण हेतु भू-खंड एंटेना विकास और परिनियोजन में पांच दशकों का अनुभव और विशेषज्ञता है। एनआरएससी ने IMGEOS (भू-प्रेक्षण उपग्रहों के लिए एकीकृत बहुमिशन भू-खंड), शादनगर, हैदराबाद, भारत में अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित किया है, जहां 7.5 मीटर व्यास के एंटेनाओं से S/X/Ku/Ka बैंडों में इसरो तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय मिशनों से सुदूर संवेदन(रिमोट सेंसिंग) डेटा को प्राप्त करने की क्षमता है।

पाठ्यक्रम के बारे में

सुदूर संवेदन (रिमोट सेंसिंग) डेटा अधिग्रहण पर 5 दिवसीय संक्षिप्त पाठ्यक्रम का आयोजन एनआरएससी, शादनगर परिसर में किया जा रहा है, जो हैदराबाद से 50 कि.मी. दूर है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भू-अभिग्राही एंटेना, यांत्रिक प्रणाली, सर्वोमोटर नियंत्रण प्रणाली, RF प्रणाली, बेसबैंड प्रणाली, डेटा इंजेस्ट तथा प्री-प्रोसेसिंग तत्वों की तकनीकी जानकारी देना है। पाठ्यक्रम में भू-अभिग्राही प्रणाली पर सिद्धांत, प्रणालियों और प्रदर्शन शामिल है। मुख्य फैकल्टी एनआरएससी से लिया गया है, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कार्यक्रमों में भागीदारी के साथ भू-अभिग्राही एंटेनाओं के डिज़ाइन, विकास, स्थापना, अनुरक्षण तथा संचालन करने का समृद्ध अनुभव है।

कौन आवेदन कर सकते हैं ?

राज्य सरकार/केंद्र सरकार के विभागों, अकादमिक संस्थाओं के संकाय (फैकल्टी) / शोध अध्येताओं, गैर-सरकारी संगठन, निजी उद्योग तथा स्टार्टअप से जुड़े, जो सामाजिक अनुप्रयोगो के लिए अंतरिक्ष प्लेटफार्मों, रिमोट सेंसिंग एवं भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयनों में शामिल हैं, इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। प्रतिभागी को विज्ञान में न्यूनतम स्नातकोत्तर डिग्री या इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री की योग्यता होनी चाहिए। आगे विस्तृत विवरण हेतु training@nrsc.gov.in पर संपर्क करें।